RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

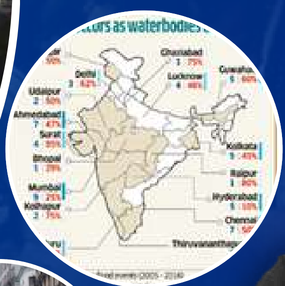

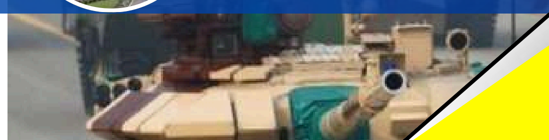

DATE
मई
24
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

By Ankit Avasthi Sir

अनिवार्य धार्मिक प्रथा / Essential Religious Practice

संदर्भ:

सुप्रीम कोर्ट में एक महत्वपूर्ण याचिका पर सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने यह तर्क दिया कि **'वक्फ'** (waqf) की स्थापना इस्लाम में कोई **'अनिवार्य धार्मिक प्रथा'** **(Essential Religious Practice)** नहीं है।

वक़्फ़ इस्लाम में आवश्यक धार्मिक प्रथा (Essential Religious Practice) नहीं है-

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि—

- वक़्फ़ अपने स्वभाव में एक धार्मिक दान (Charity) है, और दान सभी धर्मों का हिस्सा होता है, लेकिन यह किसी धर्म की आवश्यक धार्मिक प्रथा नहीं है।
- यदि कोई मुसलमान वक़्फ़ नहीं बनाता है, तो इससे वह कम मुसलमान नहीं हो जाता, और न ही वह इस्लाम से बाहर हो जाता है।
- इस्लाम में वक़्फ़ बनाना अनिवार्य नहीं है और न ही यह स्वतंत्र अधिकार है।
- वक़्फ़ कानून केवल धार्मिक आस्था में हस्तक्षेप किए बिना इसके धर्मनिरपेक्ष और प्रशासनिक पहलुओं पर केंद्रित होता है।

क्या होती है Essential Religious Practice (ERP)?

- ERP सिद्धांत यह तय करता है कि कौन सी धार्मिक प्रथाएं **भारतीय संविधान के अनुच्छेद 25 व 26** के तहत **संरक्षित** हैं।
- सुप्रीम कोर्ट ने **Commissioner of Police v. Acharya Jagadisharananda Avadhuta (2004)** में कहा—
  - किसी प्रथा को आवश्यक धार्मिक प्रथा तभी माना जा सकता है, **यदि उसके न होने से धर्म की मूल पहचान बदल जाए।**
  - यदि उस प्रथा को हटाने से धर्म का **मूल स्वभाव या विश्वास बदल जाता है**, तो वह प्रथा आवश्यक मानी जाएगी।
  - इन आवश्यक तत्वों में कोई **जोड़-घटाव नहीं** किया जा सकता क्योंकि ये धर्म का सार होते हैं।

महत्वपूर्ण न्यायालयीन निर्णय:

1. **Commissioner of Police v. Acharya Jagadisharananda Avadhuta (2004):** सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि **तांडव नृत्य**, आनंद मार्ग संप्रदाय की आवश्यक धार्मिक प्रथा नहीं है।
2. **Shayara Bano v. Union of India (2017):** सुप्रीम कोर्ट ने **तीन तलाक** को इस्लाम की आवश्यक धार्मिक प्रथा नहीं माना और अनुच्छेद 25 के तहत संरक्षण देने से इनकार किया।
3. **कर्नाटक हाईकोर्ट (2022):** स्कूल-कॉलेजों में **हिजाब पहनने पर रोक** को सही ठहराया। कहा गया कि हिजाब इस्लाम की आवश्यक धार्मिक प्रथा नहीं है और यह अनुच्छेद 25 के तहत संरक्षित नहीं है।

अनुच्छेद 25: धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार-

- हर व्यक्ति को अंतरात्मा की स्वतंत्रता और अपने धर्म को मानने, अभ्यास करने और प्रचार करने का अधिकार है।
- यह अधिकार भारत के सभी व्यक्तियों (नागरिक व गैर-नागरिक) को मिलता है।
- यह केवल धार्मिक विश्वासों पर नहीं, बल्कि धार्मिक प्रथाओं पर भी लागू होता है।
- बलात धर्मांतरण संविधान में दिए गए 'freedom of conscience' का उल्लंघन है।

सीमाएं:

- यह अधिकार सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता और स्वास्थ्य के अधीन है।
- राज्य धर्म से जुड़ी आर्थिक, वित्तीय, राजनीतिक या धर्मनिरपेक्ष गतिविधियों को नियंत्रित कर सकता है।

अनुच्छेद 26: धार्मिक मामलों का प्रबंधन करने की स्वतंत्रता-

हर धार्मिक संप्रदाय या उसका कोई भी भाग निम्न अधिकार रखता है:

- धार्मिक और परोपकारी उद्देश्यों के लिए संस्थान स्थापित करना और चलाना
- धार्मिक मामलों का स्वयं प्रबंधन करना
- चल व अचल संपत्ति का अधिकार प्राप्त करना
- ऐसी संपत्ति का कानून के अनुसार प्रशासन करना

विशेषताएं:

- यह सामूहिक धार्मिक स्वतंत्रता की गारंटी देता है।
- अनुच्छेद 25 व्यक्तिगत अधिकार देता है, जबकि अनुच्छेद 26 धार्मिक समुदायों/संप्रदायों के अधिकार सुनिश्चित करता है।
- यह भी सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता और स्वास्थ्य की सीमाओं में बाध्य है।

फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स / Financial Action Task Force

संदर्भ:

भारत **फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (FATF)** को एक विस्तृत डोजियर सौंपने की तैयारी कर रहा है, जिसका उद्देश्य पाकिस्तान को पुन: **"ग्रे लिस्ट"** में शामिल करवाने की मांग को मजबूती देना है। इस डोजियर में पाकिस्तान की आतंकवाद से संबंधित वित्तीय गतिविधियों और प्रतिबंधों के उल्लंघन से जुड़े प्रमाण शामिल होंगे, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उस पर निगरानी बढ़ाने की आवश्यकता को रेखांकित किया जा सके।

FATF (Financial Action Task Force): एक वैश्विक निगरानी संस्था

- **स्थापना:** 1989 में G7 देशों द्वारा
- **स्वरूप:** एक अंतर-सरकारी संस्था जिसमें 40 सदस्य देश शामिल हैं (रूस की सदस्यता 2023 में निलंबित हुई थी)।
- **मुख्य उद्देश्य:** मनी लॉन्ड्रिंग (धन शोधन), टेरर फाइनेंसिंग (आतंक वित्तपोषण) और हथियारों के प्रसार वित्तपोषण से मुकाबला करना।

FATF के प्रमुख कार्य:

1. **निगरानी व जानकारी देना (Monitoring & Informing):**
   - अपराधी और आतंकवादी धन कैसे इकट्ठा करते हैं, उपयोग करते हैं और स्थानांतरित करते हैं – इसकी निगरानी करना।
   - मनी लॉन्ड्रिंग और टेरर फाइनेंसिंग की नवीनतम तकनीकों के बारे में जागरूकता फैलाना।
2. **मानक तय करना (Setting Standards):**
   - वैश्विक सुसंगत प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए सिफारिशों का सेट तैयार करना।
   - सदस्य देशों को इन मानकों के अनुसार कार्य करने को प्रेरित करना ताकि अवैध फंडिंग पर रोक लगाई जा सके।
3. **ग़ैर-अनुपालन को चिन्हित करना (Flagging Non-Compliance):** जो देश FATF मानकों का पालन नहीं करते उन्हें 'ग्रे लिस्ट' या 'ब्लैक लिस्ट' में डाला जाता है।

FATF की ग्रे लिस्ट और ब्लैक लिस्ट:

1. **ग्रे लिस्ट (Grey List):**
   - आधिकारिक नाम: *Jurisdictions under Increased Monitoring*
   - ऐसे देश जिनकी AML/CFT व्यवस्थाओं में कमियां हैं लेकिन वे सुधार की दिशा में कार्यरत हैं।
   - निगरानी बढ़ाई जाती है और नियमित रिपोर्टिंग की जाती है।
   - **प्रभाव:** विदेशी निवेश और सहायता प्रभावित होती है; वैश्विक छवि को नुकसान।
   - *उदाहरण:* पाकिस्तान (2018–2022) – भारत सरकार के अनुसार इससे जम्मू-कश्मीर में अवैध फंडिंग पर अंकुश लगा।
2. **ब्लैक लिस्ट (Black List):**
   - आधिकारिक नाम: *High-Risk Jurisdictions subject to a Call for Action*
   - गंभीर रणनीतिक खामियों वाले देश जो सुधार के लिए सहयोग नहीं करते।
   - अन्य देश FATF के आग्रह पर कड़े कदम (जैसे आर्थिक प्रतिबंध, लेन-देन पर रोक) उठाते हैं।
   - **उद्देश्य:** वैश्विक वित्तीय प्रणाली को इन देशों से उत्पन्न जोखिमों से बचाना।

निष्कर्ष:

FATF एक वैश्विक संस्था है जो मनी लॉन्ड्रिंग और आतंक वित्तपोषण जैसे गंभीर आर्थिक अपराधों पर नियंत्रण रखने के लिए मानक तय करती है और देशों की निगरानी करती है। इसका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली की सुरक्षा करना है। ग्रे और ब्लैक लिस्ट के ज़रिए यह देश को सुधार की दिशा में प्रेरित करता है, लेकिन साथ ही वैश्विक स्तर पर उनके आर्थिक और राजनयिक हितों को भी प्रभावित करता है।

शहरी बाढ़ / Urban Flooding

संदर्भ:

बेंगलुरु में मात्र 12 घंटे के भीतर 130 मिमी से अधिक वर्षा दर्ज की गई, जिससे शहर में भीषण शहरी बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई। इस आपदा में 3 लोगों की मृत्यु हो गई, लगभग 500 घर जलमग्न हो गए और प्रमुख सड़कें, अंडरपास तथा झीलें पानी से भर गईं। यह घटना शहर की बुनियादी ढांचे और आपदा प्रबंधन की क्षमता पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है।

अर्बन फ्लडिंग क्या है ?

- शहरी क्षेत्रों में **तेज़ बारिश और अपर्याप्त जल निकासी** के कारण जलभराव की स्थिति को अर्बन फ्लडिंग कहते हैं।
- यह सामान्य बाढ़ की तुलना में **तेज़ी से होती है** और शहरी ढांचे को बुरी तरह प्रभावित करती है।
- उदाहरण: मुंबई (2005), चेन्नई (2015), हैदराबाद (2020), बेंगलुरु (2025)।

बेंगलुरु में अर्बन फ्लडिंग के कारण:

1. प्राकृतिक कारण:

- **भारी मानसूनी वर्षा**: दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान एक दिन में 100 मिमी से अधिक बारिश सामान्य है।
- **प्राकृतिक स्थलाकृति**: शहर की टोपोग्राफी में नीची घाटियाँ जैसे हेब्बल, कोरमंगला-चल्लघट्टा शामिल हैं जो जलभराव की संभावना बढ़ाती हैं।

2. मानव-जनित कारण:

- **झीलों और वेटलैंड्स का अतिक्रमण:** पिछले 40 वर्षों में बेंगलुरु ने अपनी **79% जलस्रोत भूमि खो दी** (IISc)।
- **राजकालुवों की उपेक्षा:** जल निकासी नालियां (stormwater drains) **चोक, ढकी या अतिक्रमित** हैं।
- **पुरानी शहरी योजनाएं:** CDP व ज़ोनिंग नियम जनसंख्या घनत्व और जलवायु जोखिमों के अनुसार अद्यतन नहीं हुए।
- **अनियंत्रित निर्माण:** फ्लडप्लेन पर तकनीकी पार्क और अपार्टमेंट बनाए जा रहे हैं, पर्यावरणीय मानकों की अनदेखी कर।
- **विभागों में समन्वय की कमी:** अलग-अलग एजेंसियों की कार्यशैली से **देर से प्रतिक्रिया** और **योजना में विफलता** होती है।

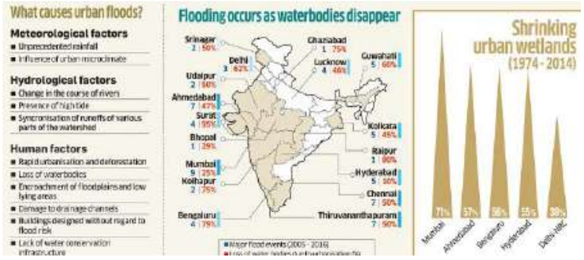

प्रभाव (Impacts):

- **जीवन और संपत्ति की हानि:** 2025 की बारिश में 3 मौतें, कोरमंगला, बेलंदूर, ORR जैसे क्षेत्र डूबे।
- **आर्थिक क्षति:** IT कॉरिडोर बंद, अरबों का नुकसान; भारत के $194 बिलियन के टेक एक्सपोर्ट पर असर।
- **स्वास्थ्य संकट:** पानी भराव से **डेंगू, मलेरिया, दस्त** जैसी बीमारियों का प्रकोप।
- **यातायात और बिजली बाधित:** मेट्रो, सड़कें और विद्युत व्यवस्था घंटों/दिनों तक ठप।

वैश्विक सर्वोत्तम प्रयास (Global Best Practices):

- **सिंगापुर (SWAN System):** स्मार्ट सेंसर्स से जलस्तर की निगरानी और रियल टाइम अलर्ट।
- **नीदरलैंड्स ("Room for the River"):** नदियों को फैलाकर शहरी बाढ़ का दबाव कम करना।
- **चीन ("Sponge Cities"):** पर्मिएबल पाथवे, ग्रीन रूफ, वेटलैंड्स से जल सोखना।
- **FLOAT हाउस (New Orleans):** जलस्तर के अनुसार तैरते घर, विस्थापन से सुरक्षा।

आगे की राह:

- **प्राकृतिक जल निकासी प्रणाली को पुन:** स्थापित करें – झीलों, वेटलैंड्स और राजकालुवों को जोड़ा जाए।
- **मानसून से पहले सभी नालियों की नियमित सफाई सुनिश्चित** हो और थर्ड पार्टी ऑडिट हो।
- **CDP को पुन:** डिज़ाइन करें – बाढ़ ज़ोनिंग और हरित बुनियादी ढांचे के अनिवार्य प्रावधान।
- **स्मार्ट बाढ़ प्रबंधन** – IoT आधारित जल निगरानी और पूर्व चेतावनी प्रणाली।
- **प्रशासनिक जवाबदेही** – BBMP को स्वायत्तता, नियमित ऑडिट और एकीकृत निर्णय प्रक्रिया।

शुद्ध FDI / Net FDI

संदर्भ:

वित्त वर्ष 2025 में भारत का शुद्ध प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) **96.5% की भारी गिरावट** के साथ केवल **353 मिलियन डॉलर** पर पहुँच गया, जो अब तक का सबसे निचला स्तर है। यह आंकड़ा पिछले वर्ष के 10 अरब डॉलर की तुलना में बेहद कम है और देश में निवेश के माहौल तथा आर्थिक विश्वास पर गंभीर संकेत देता है।

भारत में शुद्ध FDI में ऐतिहासिक गिरावट: RBI रिपोर्ट

- **शुद्ध FDI में भारी गिरावट:** RBI के अनुसार FY25 (अब तक) में शुद्ध प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) केवल **$353 मिलियन** रहा – यह **अब तक का सबसे कम स्तर** है। FY24 में यह **$10 बिलियन** था।
- **गिरावट के कारण:**
  - भारत में आने वाले निवेश की तुलना में **भारत से बाहर जाने वाला FDI और FDI रिपैट्रिएशन (लौटा हुआ निवेश)** अधिक रहा।
  - इसका अर्थ है कि विदेशी कंपनियों ने भारत में निवेश कम किया और पहले किए गए निवेश को वापस ले लिया।
- **स्थिर बनाम अस्थिर निवेश:**
  - 'स्थिर' FDI प्रवाह की तुलना में 'अस्थिर' **पोर्टफोलियो निवेश (FPI)** ज्यादा रहा।
  - FY25 में शुद्ध FDI प्रवाह, पोर्टफोलियो प्रवाह की तुलना में **86% कम** रहा।
  - **पोर्टफोलियो निवेश FY25 में $2.67 बिलियन** रहा।

क्या है नेट एफडीआई (Net FDI)?

- **परिभाषा**: **नेट FDI (शुद्ध प्रत्यक्ष विदेशी निवेश)** वह राशि होती है जो भारत में आए कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) में से, भारत की कंपनियों द्वारा विदेशों में किए गए निवेश, विदेशी कंपनियों द्वारा की गई **रकम की वापसी**, और **रणनीतिक निवेश की निकासी** को घटाने के बाद बचती है।
- **घटक:**

  इसमें निम्नलिखित घटक शामिल होते हैं:
  - भारत में आया **कुल विदेशी निवेश (Gross Inflow)**
  - घटाएं:
    - **भारत की कंपनियों द्वारा विदेश में निवेश (Outward FDI)**
    - **फॉरेन कंपनियों द्वारा निवेश की वापसी (Repatriation)**
    - **रणनीतिक हिस्सेदारी की बिक्री या निकासी**

शामिल निवेशक: इसमें निवेश करने वाले होते हैं:

- **प्राइवेट इक्विटी फर्म्स**
- **वेंचर कैपिटलिस्ट्स**
- **वैश्विक फंड्स** जो भारत में कंपनियों में हिस्सेदारी लेते हैं

भारत में FDI (मिलियन $ में ट्रेंड)

विवरण	वित्त वर्ष 24	वित्त वर्ष 25
सकल एफडीआई	71,279	81,043
प्रत्यावर्तन/विनिवेश	44,472	51,489
इसमें से: इक्विटी	41,334	49,529
भारत द्वारा आउटवर्ड एफडीआई	16,678	29,201
शुद्ध एफडीआई	10,129	353

स्रोत: आरबीआई

नेट FDI क्यों महत्वपूर्ण है ?

सकारात्मक नेट FDI (Positive Net FDI)-

- दर्शाता है कि भारत में आने वाला विदेशी निवेश, बाहर जाने वाले निवेश से अधिक है।
- इसे अक्सर देश की **आर्थिक आकर्षण** और **नीति स्थिरता** का संकेत माना जाता है।
- यह **रोज़गार**, **इन्फ्रास्ट्रक्चर** और **तकनीकी प्रगति** को बढ़ावा देता है।

कम या नकारात्मक नेट FDI-

- संकेत हो सकता है कि:
  - विदेशी निवेशक **पूंजी निकाल रहे हैं**, या
  - भारतीय कंपनियां **विदेशों में अधिक निवेश कर रही हैं।**
- यह **विनियामक अस्थिरता**, **कम रिटर्न की आशंका** या **घरेलू अवसरों की कमी** को दर्शा सकता है।

लेकिन जरूरी नहीं कि यह हमेशा नकारात्मक हो-

- **विकसित होती अर्थव्यवस्था** में कंपनियों की **वैश्विक विस्तार की महत्वाकांक्षा** को भी दिखा सकता है।
- **परिपक्व अर्थव्यवस्था** में घरेलू कंपनियों का बाहर निवेश बढ़ना सामान्य होता है।

Apni Pathshala

अमृत भारत स्टेशन / Amrit Bharat Station

संदर्भ:

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित किए गए **103 रेलवे स्टेशनों** का उद्घाटन किया। इस योजना का उद्देश्य देश भर के रेलवे स्टेशनों को आधुनिक सुविधाओं से युक्त बनाकर यात्रियों को बेहतर अनुभव प्रदान करना है।

रेलवे स्टेशन आधुनिकीकरण योजना: एक नज़रिया

- **योजना की शुरुआत:** इस योजना की शुरुआत **2021 में गांधीनगर रेलवे स्टेशन** के आधुनिकीकरण से हुई थी, जो इसका पहला उदाहरण बना।
- **विकसित स्टेशन:** अब तक **103 रेलवे स्टेशनों** का आधुनिकीकरण हो चुका है, जो **18 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 86 जिलों** में फैले हुए हैं।
- **कुल लागत:** इन स्टेशनों के विकास में **1,100 करोड़ रुपये से अधिक** की लागत आई है।
- **भविष्य की योजना:** योजना के तहत **1,300 रेलवे स्टेशनों** की पहचान की गई है जिन्हें पुनर्विकसित किया जाएगा।
    - उत्तर प्रदेश: **157 स्टेशन**
    - महाराष्ट्र: **132 स्टेशन**
    - पश्चिम बंगाल: **101 स्टेशन**
- **योजना के उद्देश्य:**
    - रेलवे स्टेशनों को **स्वच्छ, आरामदायक और उपयोगकर्ता-अनुकूल** बनाना।
    - **'वन स्टेशन वन प्रोडक्ट'** योजना के तहत स्थानीय उत्पादों की बिक्री के लिए **कियोस्क की स्थापना**।
    - स्टेशनों को **हरित और सौंदर्यपूर्ण** रूप देने के लिए विशेष प्रयास।

चागोस द्वीपसमूह / Chagos Archipelago

संदर्भ:

यूनाइटेड किंगडम (यूके) ने एक महत्वपूर्ण समझौते पर हस्ताक्षर करते हुए विवादित और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण चागोस द्वीपसमूह की संप्रभुता **मॉरीशस** को सौंप दी। यह निर्णय उपनिवेशवाद से जुड़े लंबे विवाद को सुलझाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

चागोस द्वीपसमूह:

भौगोलिक स्थिति और महत्त्व:

- **स्थान**: मध्य हिंद महासागर में, भारत के दक्षिणी सिरे से लगभग **1,600 किमी दक्षिण में**।
- **प्रमुख द्वीप**: डिएगो गार्सिया, पेरोस बानोस, डेंजर द्वीप आदि।
- **जलवायु**: उष्णकटिबंधीय समुद्री, व्यापारिक पवनों द्वारा नियंत्रित।

चागोस विवाद:

औपनिवेशिक पृष्ठभूमि:

- 1814 में ब्रिटेन ने मॉरीशस के साथ-साथ चागोस द्वीपसमूह पर अधिकार किया।
- मॉरीशस की स्वतंत्रता (1968) से ठीक पहले, 1965 में ब्रिटेन ने इन द्वीपों को अलग कर ब्रिटिश इंडियन ओशियन टेरिटरी (BIOT) बनाया।

सैन्य पट्टे की पृष्ठभूमि:

- 1966 में, ब्रिटेन ने डिएगो गार्सिया द्वीप को संयुक्त राज्य अमेरिका को सैन्य अड्डा स्थापित करने के लिए लीज पर दिया।
- इस प्रक्रिया में स्थानीय चागोसी जनजातियों को जबरन निष्कासित कर दिया गया।

कानूनी विवाद और मानवाधिकार प्रश्न:

- विस्थापित चागोसी लोगों ने अपने पुनर्वास और वापसी के लिए कई कानूनी लड़ाइयाँ लड़ीं।
- मॉरीशस ने 1968 से ही द्वीपसमूह पर संप्रभुता का दावा किया है।

अंतरराष्ट्रीय निर्णय:

- **2019 में, अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (ICJ) ने फैसला दिया कि:**
    - ब्रिटेन का प्रशासन अवैध है।
    - चागोस द्वीपसमूह को मॉरीशस को वापस किया जाना चाहिए।
- संयुक्त राष्ट्र महासभा ने भी इसी दिशा में मतदान कर ब्रिटेन से उपनिवेशीकरण समाप्त करने को कहा।

तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन / Tiangong Space Station

संदर्भ:

चीनी वैज्ञानिकों ने तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन (Tiangong Space Station) पर एक **नई जीवाणु प्रजाति** की खोज की है, जिसे **Niallia tiangongensis** नाम दिया गया है। यह खोज अंतरिक्ष विज्ञान, सूक्ष्मजीव विज्ञान (Microbiology), और जैव-प्रौद्योगिकी (Biotechnology) से जुड़े दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण है।

तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन (Tiangong Space Station):

परिचय:

- तियांगोंग का अर्थ है "आकाश महल"।
- यह चीन का स्वामित्व और संचालन वाला स्थायी मानवयुक्त अंतरिक्ष स्टेशन है, जो निम्न पृथ्वी कक्षा (Low Earth Orbit - LEO) में स्थित है।
- यह चीन के मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम का तीसरा और अंतिम चरण है।

प्रमुख विकास:

- प्रथम मॉड्यूल 'तियानहे' (Tianhe) को अप्रैल 2021 में प्रक्षेपित किया गया।
- इससे पहले तियांगोंग-1 और तियांगोंग-2 नामक पूर्व परीक्षण मिशन संचालित किए गए थे।
- तियांगोंग में कुल 3 प्रमुख मॉड्यूल हैं:
  - तियानहे (मुख्य मॉड्यूल)
  - वेनतियन (Wentian - विज्ञान मॉड्यूल)
  - मेंगतियन (Mengtian - विज्ञान मॉड्यूल)
  - प्रस्तावित स्पेस टेलीस्कोप मॉड्यूल – शुनतियन

तकनीकी विशिष्टताएँ:

- अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) की तुलना में तियांगोंग काफी छोटा और हल्का है:
  - **तियांगोंग:** 3 मॉड्यूल (~20% भार ISS के मुकाबले)
  - **ISS:** 16 मॉड्यूल, ~450 मीट्रिक टन
- यह स्टेशन एक बार में तीन अंतरिक्षयात्रियों को 6 महीने तक रख सकता है।
- क्रू परिवर्तन के दौरान यह 6 अंतरिक्षयात्रियों को भी अस्थायी रूप से समायोजित कर सकता है।

नालंदा विश्वविद्यालय / Nalanda University

संदर्भ:

प्रख्यात अर्थशास्त्री सचिन चतुर्वेदी ने बिहार स्थित नालंदा विश्वविद्यालय के कुलपति (Vice-Chancellor) के रूप में पदभार ग्रहण किया। उनके नेतृत्व से विश्वविद्यालय में शैक्षणिक और शोध गतिविधियों को नई दिशा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

नालंदा विश्वविद्यालय: एक प्राचीन बौद्ध शिक्षाकेंद्र

- **स्थापना:** नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना 5वीं शताब्दी में गुप्त शासक **कुमारगुप्त प्रथम** द्वारा की गई थी।
- **संरचना एवं कला:** विश्वविद्यालय परिसर में **स्तूप**, **मंदिर**, **विहार** (आवासीय व शैक्षणिक भवन) तथा **शिल्पकला के उत्कृष्ट उदाहरण** (स्टुको, पत्थर और धातु में) शामिल हैं।
- **राजकीय संरक्षण:** इसे **कन्नौज के हर्षवर्धन** (7वीं सदी) तथा **पाल वंश के शासकों** (8वीं–12वीं सदी) का संरक्षण प्राप्त था।
- **विनाश:** लगभग **800 वर्षों तक समृद्ध रहने** के बाद इसे **12वीं सदी में बख्तियार खिलजी** द्वारा जला दिया गया।
- **पुन: खोज व खुदाई:** इसके अवशेषों की **पहली पहचान सर फ्रांसिस बुकानन** ने की थी। इसके बाद **भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI)** द्वारा इसका व्यवस्थित **उत्खनन और संरक्षण** किया गया।
- **अंतरराष्ट्रीय महत्व:**
  - प्रसिद्ध **चीनी विद्वान ह्वेनसांग (Xuanzang)** ने 637 और 642 ई. में यहां अध्ययन किया था।
  - यह विश्वविद्यालय **विश्व भर के छात्रों** को आकर्षित करता था और **भारतीय उपमहाद्वीप का सबसे प्राचीन विश्वविद्यालय** माना जाता है।
- **विश्व धरोहर:** नालंदा के खंडहरों को **सन् 2016 में यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल** घोषित किया गया।

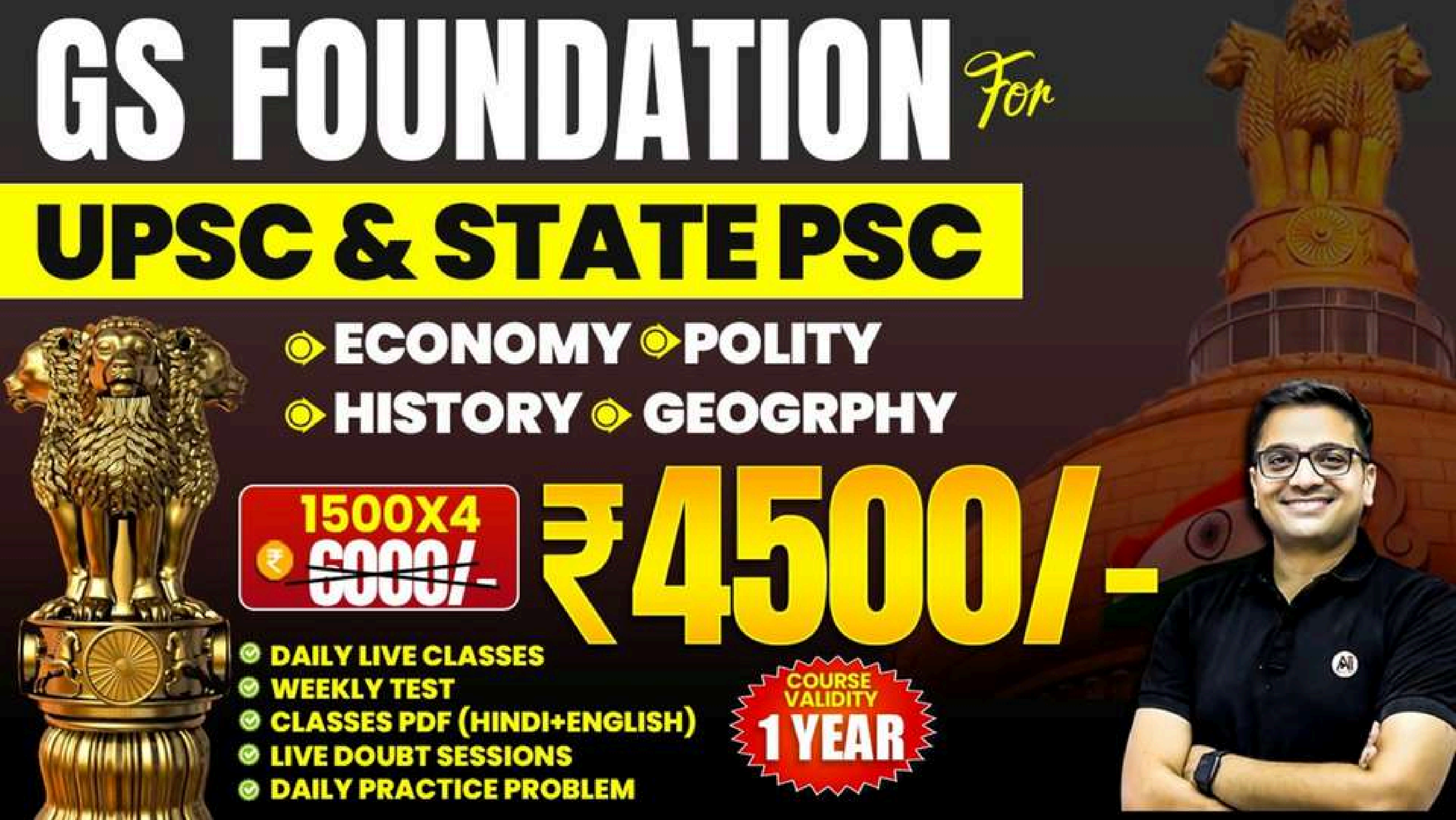
GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
ECONOMY
POLITY
HISTORY
GEOGRPHY
1500X4
₹ 6000/-
₹ 4500/-
DAILY LIVE CLASSES
WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTICE PROBLEM
COURSE VALIDITY
1 YEAR

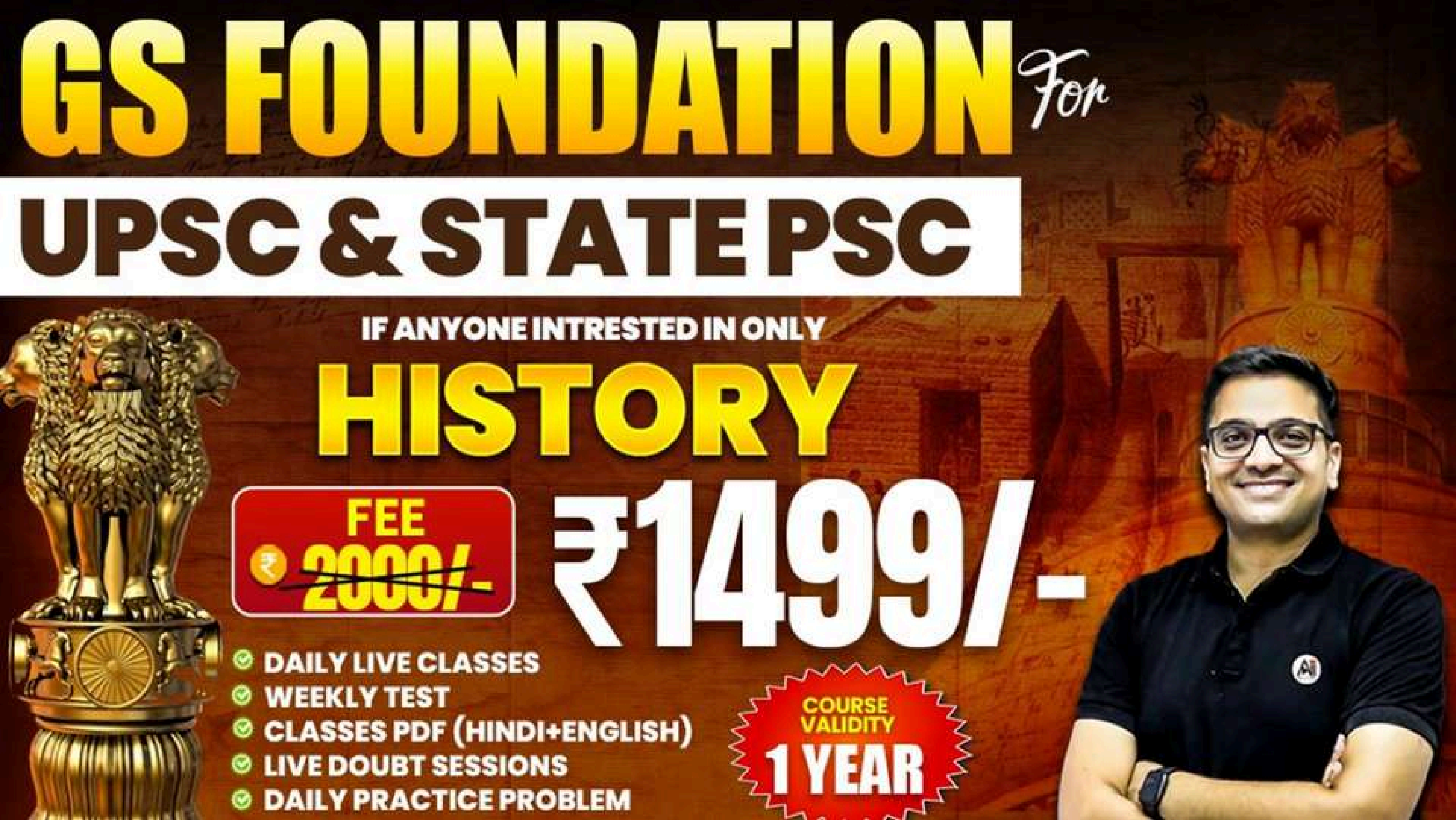
GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
IF ANYONE INTRESTED IN ONLY
HISTORY
FEE
₹ 2000/-
₹1499/-
DAILY LIVE CLASSES
WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTICE PROBLEM
COURSE VALIDITY
1 YEAR

GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
IF ANYONE INTRESTED IN ONLY
ECONOMY
FEE
₹ 2000/-
₹1499/-
DAILY LIVE CLASSES
WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTICE PROBLEM
COURSE VALIDITY
1 YEAR

जानिए
भारतीय संविधान
CONSTITUTION OF INDIA
मात्र
1499/-Year
Enroll Now !
1 year validity

GS FOUNDATION
Hand Written Notes
Pathshala
भारतीय भूगोल
भौतिक तथा विश्व भूगोल
भारत तथा विश्व की अर्थव्यवस्था
भारतीय संविधान एवं राजव्यवस्था
आधुनिक भारत एवं विश्व का इतिहास
BEST OFFER
1999Rs
4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट
अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....
7878158882
Bilingual
By Ankit Avasthi Sir

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण
RNA : Real News Analysis
MONTHLY CURRENT AFFAIRS
UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
MONTH
जनवरी, 2025
By Ankit Avasthi Sir
MONTHLY MAGAZINE
FREE!
अधिक जानकारी के लिए दिए गए
नंबर पर संपर्क करें....
7878158882
Billingual
ANKIT AVASTHI SIR

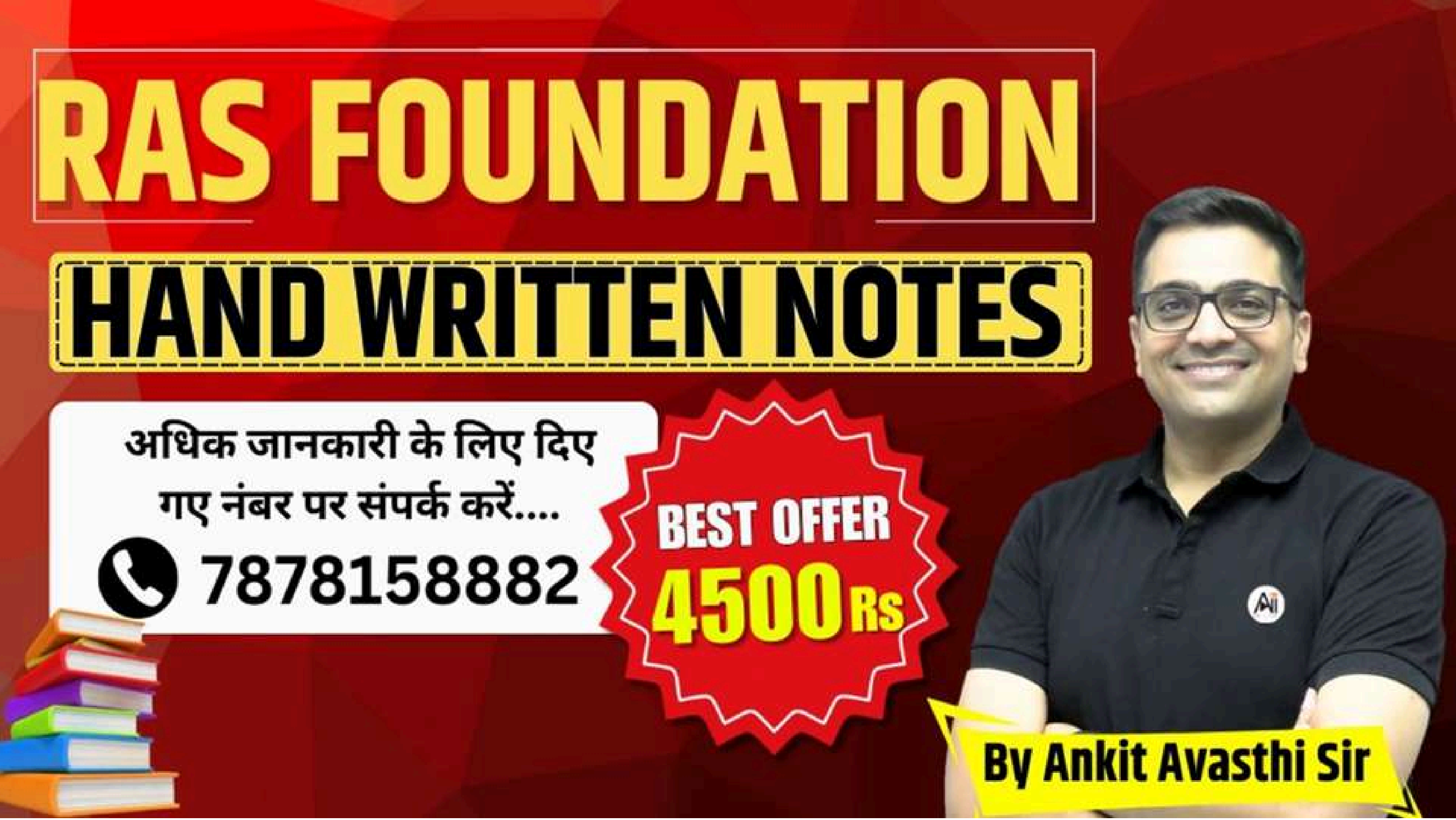
RAS FOUNDATION
HAND WRITTEN NOTES
अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....
7878158882
BEST OFFER
4500 Rs
By Ankit Avasthi Sir

RRB NTPC
TEST SERIES
100+ Mock Test
78 Sectional Test
40+ years PYPs
60+ Current affairs
TEST
Only
99
Per
Year
Buy Now

APNI PATHSHALA

Apni Pathshala
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर

UPPSC,RO/ARO,BPSC,UP TEST SERIES

UPPSC
(TEST SERIES)
299/- YEAR
- 35+ MOCK TESTS
- 40+ PYQ'S
- 180+ TOPIC WISE TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

RO/ARO
(TEST SERIES)
ONLY 299/- YEAR
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

BPSC
(TEST SERIES)
ONLY 299 YEAR
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

SSC (TEST SERIES)
ONLY 99/- YEAR
- 30 MOCK TESTS
- 28+ YEAR PYP
- 12 SECTIONAL TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

RPF (TEST SERIES)
ONLY 99/- YEAR
- 40 MOCK TESTS
- 2 YEAR PYQ'S
- 4 SECTIONAL TEST
- 10 PRACTICE TEST
- 60 CURRENT AFFAIRS

Download | Application
Apni Pathshala
7878158882

Apni.Pathshala Avasthiankit
AnkitAvasthiSir kaankit

ANKIT AVASTHI SIR

CALL CENTRE

HOW MAY I HELP YOU

7878158882

AnkitInspiresIndia

Download "Apni Pathshsla" app now!

Follow us: